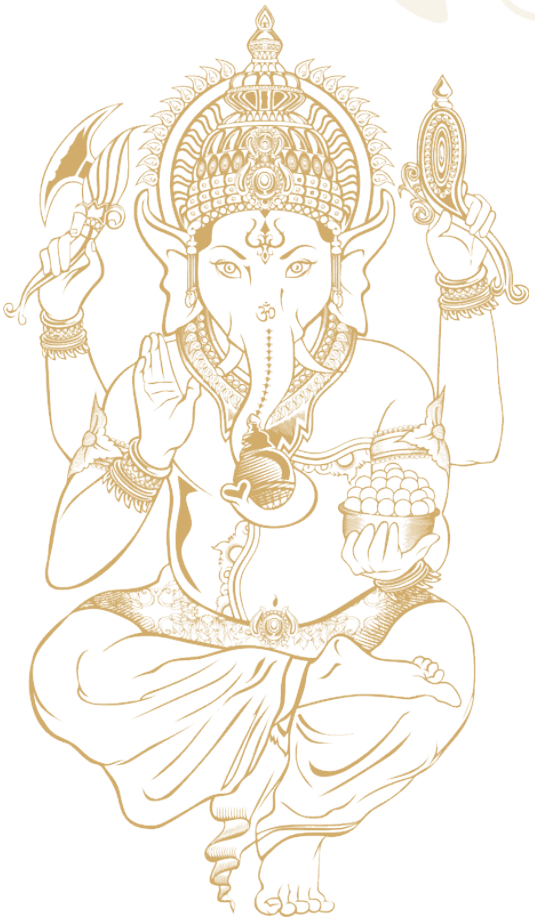

Ritz Kritz

Model: Web-FreeMatching

Order No: 121092703

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
09/02/1988	जन्म तिथि	16-17/01/2005
मंगलवार	दिन	रवि-सोमवार
घंटे 07:40:00	जन्म समय	04:30:00 घंटे
घटी 01:33:15	जन्म समय(घटी)	53:21:51 घटी
India	देश	Pakistan
Indore	स्थान	Shikarpur
22:42:00 उत्तर	अक्षांश	27:57:00 उत्तर
75:54:00 पूर्व	रेखांश	68:38:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	75:00:00 पूर्व
घंटे -00:26:24	स्थानिक संस्कार	-00:25:28 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
07:02:42	सूर्योदय	07:18:06
18:18:08	सूर्यास्त	17:52:40
23:41:30	चित्रपक्षीय अयनांश	23:55:32

विंशोत्तरी		अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी	
मंगल 1वर्ष 5मा 1दि		06:06:52	कुंभ	लग्न	वृश्चि	22:04:39	बुध 0वर्ष 9मा 27दि	
शनि		25:50:40	मक	सूर्य	मक	03:01:35	शुक्र	
12/07/2023		03:57:38	तुला	चंद्र	मीन	29:21:10	14/11/2012	
12/07/2042		27:20:03	वृश्चि	मंगल	वृश्चि	21:29:32	14/11/2032	
शनि	15/07/2026	00:20:10	कुंभ व	बुध	धनु	15:44:36	शुक्र	15/03/2016
बुध	24/03/2029	00:57:49	मेष	गुरु	कन्या	24:31:46	सूर्य	16/03/2017
केतु	03/05/2030	05:46:09	मीन	शुक्र	धनु	15:11:11	चन्द्र	14/11/2018
शुक्र	03/07/2033	05:52:56	धनु	शनि व	मिथु	29:42:17	मंगल	14/01/2020
सूर्य	15/06/2034	29:47:37	कुंभ	राहु व	मेष	03:38:36	राहु	14/01/2023
चन्द्र	14/01/2036	29:47:37	सिंह	केतु व	तुला	03:38:36	गुरु	14/09/2025
मंगल	22/02/2037	06:03:28	धनु	हर्ष	कुंभ	10:41:26	शनि	14/11/2028
राहु	30/12/2039	15:28:32	धनु	नेप	मक	20:28:47	बुध	15/09/2031
गुरु	12/07/2042	18:53:03	तुला	प्लूटो	वृश्चि	29:21:08	केतु	14/11/2032

लग्न-चलित

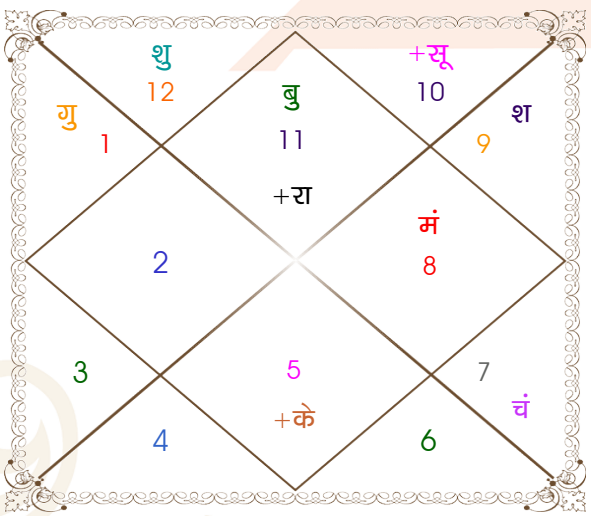

लग्न-चलित

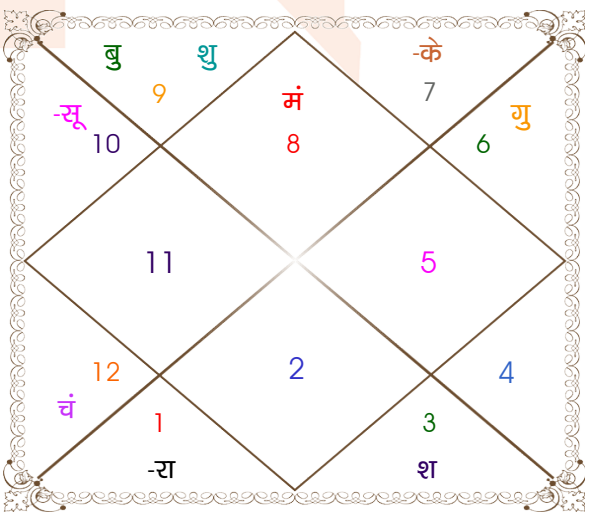

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	शूद्र	विप्र	1	0.00	--	जातीय कर्म
वश्य	मानव	जलचर	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	साधक	प्रत्यारि	3	1.50	--	भाग्य
योनि	व्याघ्र	गज	4	1.00	--	यौन विचार
मैत्री	शुक्र	गुरु	5	0.50	--	आपसी सम्बन्ध
गण	राक्षस	देव	6	1.00	--	सामाजिकता
भकूट	तुला	मीन	7	0.00	हाँ	जीवन शैली
नाड़ी	मध्य	अन्त्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	13.00		

भकूट दोष कष्टदायक है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों में मित्रता नहीं है।

Ritz का वर्ग मृग है तथा Kritz का वर्ग सिंह है। इन दोनों वर्गो में परस्पर शत्रुता है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार Ritz और Kritz का मिलान ठीक नहीं है।

मंगलीक दोष मिलान

Ritz मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में दशम् भाव में स्थित है।

Kritz मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में प्रथम भाव में स्थित है।

तनुधनुमदमायुर्लाभ व्ययगः कुजस्तु दाम्पत्यम्।
विघटयति तद् गृहेशो न विघटयति तुंगमित्रगेहेवा।।

यदि मंगल स्व राशि अथवा उच्च का हो तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल Kritz कि कुण्डली में स्वराशि में है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

शनिभौमोऽथवा कश्चित् पापो वा तादृशो भवेत्।
तेष्वेव भवनेष्वेव भौमदोषविनाशकृत्।।

यदि एक की कुंडली में जहां मंगल हो उन्हीं स्थानों पर दूसरे की कुंडली में प्रबल पाप ग्रह (राहु या शनि) हों तो मंगलीक दोष कट जाता है।

क्योंकि राहु Ritz कि कुण्डली में प्रथम भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।

त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि शनि Ritz कि कुण्डली में एकादश भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

Ritz तथा Kritz में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

मिलान ठीक नहीं है क्योंकि अष्टकूट गुण नहीं मिलते हैं।